# School of Social Science

Certificate

I hereby declare that the short synopsis “21वीं शताब्दी में भारत- अमेरिका संबंधो को प्रभावित करने वाले कारको का अध्ययन : प्रवासी भारतीयों के विशेष सन्दर्भ में” (21vi Shatabdi Mein Bharat –America Sambandhon ko Prabhavit Karne Wale Karkon Ka Adhyayan: Pravasi Bhartiyon Ke Vishesh Sandarbh Mein) being submitted in partial fulfillment of the requirement for the degree of Doctor of Philosophy in Political Science under school of Scial Scienceof U.P.Rajarshi Tandon Open University,Prayagraj during the academic year 2024.

It is a bonafide record of orginal work carried out under the supervision of Dr. Ananda Nand tripathi and has not been submitted in full or part to any other university or institute for a degree or diplpma. Further, it is certified that the short synopsis is plagiarism-free and the report has been submitted.

Dilip Srivastava

Enrollment No.- 2300602

Research Supervisor

Dr. Ananda Nand Tripathi
Faculty of Political Science

Prof. Santosha Kumar
Director of School of Social Science

Prof. P.K. Pandey
Director , R&D Cell

“21वीं शताब्दी में भारत- अमेरिका संबंधो को प्रभावित करने वाले कारको का अध्ययन : प्रवासी भारतीयों के विशेष सन्दर्भ में”

(21vi Shatabdi Mein Bharat –America Sambandhon ko Prabhavit Karne Wale Karkon Ka Adhyayan: Pravasi Bhartiyon Ke Vishesh Sandarbh Mein)

SHORT SYNOPSIS

Submitted in partial fulfillment of the requirement of the degree of

DOCTOR OF PHILOSOPHY IN POLITICAL SCIENCE

TO

U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

By

Dilip Srivastava

Enroll.NO- 2300602

Under the Supervision of Dr. Ananada Nand Tripathi

Faculty of Political Science

School Of Social Scienec

U.P.Rajarshi Tandon Open University

Shantipuram (Sector –F) Phaphamau, Prayagraj-211021

Dilip

## सूची


| विवरण | पृष्ठ संख्या |
|---|---|
| • सार | 1-1 |
| • परिचय | 2-3 |
| • साहित्य समीक्षा | 3-6 |
| • *शोध क्षेत्र* | *6-6* |
| • अध्ययन का उद्देश्य | 7-7 |
| • *शोध प्रविधि* | *8-8* |
| • शोध के अपेक्षित परिणाम | 8-8 |
| • सन्दर्भ ग्रन्थ सूची | 9-10 |


Dilip

**सार**

भारत और अमेरिका दोनों विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र वाले देश हैं।भारत जहां विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र वाला देश है वही अमेरिका विश्व का सबसे पुराना लोकतंत्र वाला देश है।दोनों देशों के संबंधो को प्रभावित करने वाले कारको में प्रवासी भारतीयों की महत्वपूर्ण भूमिका है।प्रवासी भारतीय अमेरिकी अर्थनीति के साथ-साथ राजनीतिक व्यवस्था को निर्णायक गति देते हैं। कांग्रेसनल कॉकस ऑन इंडिया एंड इंडियन अमेरिकन्स दोनो देशो के रिश्तों को मजबूत करता है। अमेरिका में प्रवासी भारतीय एक सॉफ्ट पावर की भूमिका निभाते हैं।प्रवासी भारतीयों के कारण दोनों देशो के आर्थिक संबंधों में वृद्धि हो रही है।और रणनीतिक रिश्तों को नया आयाम मिल रहा है।

**प्रमुख शब्द**- प्रवासी भारतीय, अर्थनीति, राजनीतिक व्यवस्था, कांग्रेसनल कॉकस, सॉफ्ट पावर, रणनीतिक

Dilip

## परिचय

प्रवास वह प्रक्रिया है जिसमे व्यक्ति एक स्थान से दूसरे स्थान तक बहुधा राजनीतिक सीमाओं के परे स्थाई या अस्थाई आवास के लिए होता है। यह प्रक्रिया समय के साथ राजनीतिक, आर्थिक एवं सामाजिक -सांस्कृतिक परिवर्तनों को समाहित कर अनवरत गतिशील रहती है। दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन तब शुरू हुआ जब यूरोप में औद्योगिक क्रांति के दौरान राष्ट्र-राज्य की विचारधारा ने ज़ोर पकड़ा और परिणामस्वरूप उपनिवेशवाद दुनिया के चारों दिशाओं में फैला। रोज़गार, व्यापार और बेहतर अवसर के लिये लोगों का सीमापार जाना एक प्राकृतिक प्रवृत्ति है, जो कि पूरी दुनिया में विकसित और विकासशील देशों के बीच देखी जा सकती है।

भारत के परिपेक्ष में देखा जाए तो प्रवासियों की संख्या के मामले में भारत विश्व में प्रथम स्थान पर है।भारतीय लोग अमेरिका को सबसे प्रिय गंतव्य देश के रूप में मानते हैं। भारत से संयुक्त राज्य अमेरिका में 19वीं शताब्दी की शुरुआत से भारतीय अप्रवासन प्रारंभ हुआ। अमेरिका में बड़े पैमाने पर भारतीय अप्रवासन अपेक्षाकृत हाल ही में हुआ। 2021 तक संयुक्त राज्य अमेरिका में रहने वाले 2.7 मिलियन भारतीय अप्रवासी कुल विदेशी मूल की आबादी का 6 प्रतिशत थे, और उनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के अधिकांश भारतीय प्रवासी पेशेवर नौकरियों में काम करने या अमेरिकी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने के लिए आए थे। आज, अधिकांश भारतीय रोजगार और परिवार-आधारित मार्गों से आते हैं। भारत अमेरिकी उच्च शिक्षा में नामांकित अंतरराष्ट्रीय



Dilip

छात्रों की दूसरी सबसे बड़ी संख्या का स्रोत है और इसके नागरिकों को उच्च-कुशल श्रमिकों के लिए नियोक्ता-प्रायोजित एच-1बी अस्थायी वीजा का बहुमत प्राप्त होता है। प्रवासी भारतीय दोनों देशों के संबंधों को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण कारक माने जा रहे है। दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच बढ़ते संबंधों को "21वीं शताब्दी की एक परिभाषित साझेदारी" के रूप में देखा जा सकता है। यह साझेदारी अमेरिका में बढ़ती भारत की सॉफ्ट पॉवर के रूप में और भी मजबूत हो गई है। सॉफ्ट पॉवर किसी देश की आकर्षण और सहयोग के माध्यम से ना कि जबरदस्ती से अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर इच्छित परिणाम प्राप्त करने की क्षमता को दर्शाती है, जो अंतर्राष्ट्रीय मामलों के क्षेत्र में एक निर्णायक वास्तविकता है। सॉफ्ट पॉवर की मुद्रा सांस्कृतिक प्रभाव, राजनीतिक मूल्य और विदेशी नीतियां हैं। इसी तरह, भारत की सॉफ्ट पॉवर अमेरिकी धरती पर भारतीय प्रवासियों का बढ़ता प्रभाव है।

## साहित्य समीक्षा

**सिंह,डॉ. शिशुपाल,'भारत अमेरिका संबंध बदलते आयाम',भारती प्रकाशन,वाराणसी,2021.**। शिशुपाल ने अपनी पुस्तक में अमेरिकी प्रशासन में प्रवासी भारतीयों की सहभागिता को देखते हुए कहा है कि 21वीं सदी भारत की सदी होगी। प्रवासी भारतीय अमेरिका की राजनीति में ही नहीं अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। भारतीय प्रवासी समुदाय ने एक सॉफ्ट पावर के रूप में दोनों देशों में नजदीकियां लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्रवासी निवेश को सुविधाजनक बनाने और बढ़ाने,



Dilip

औद्योगिक विकास में तेजी लाने और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार तथा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये 'परिवर्तन के वाहक' के रूप में कार्य करते हैं।

**धनुराज, डी.,'इंडिया यू.एस.ए. रिलेशंस: चेंज कंटिन्यूटी एंड ट्रांसफॉर्मेशन',सी.पी.पी.आई., पब्लिकेशन, कोच्चि, केरला, 2023।**

1991 के भारत के आर्थिक उदारीकरण के बाद और भारतीय बाजार के श्रमिक उद्घाटन जैसे अतिरिक्त कारकों के कारण भारतीय और अमेरिकी व्यापारिक समुदायों के मध्य संबंध बेहतर हुए हैं। भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था, इसकी सैन्य और तकनीकी क्षमताओं की समवर्ती वृद्धि और अमेरिका में तेजी से मुखर भारतीय प्रवासी के उद्भव का भारत -अमेरिका संबंधों में एक स्थाई एवं सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। प्रवासी भारतीय तकनीकी -प्रेमी और पेशेवरों का एक उच्च शिक्षित और समृद्ध समुदाय ने दोनों देशों को करीब लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

**सिंह, उदय भान, 'अंतर्राष्ट्रीय संबंध- विभिन्न आयाम, मुद्दे और चुनौतियाँ', टाटा मैकग्रा हिल, पब्लिकेशन,2022।**

21वीं शताब्दी के प्रारंभ से लेकर वर्तमान तक भारत एवं अमेरिका के संबंधों में निरंतर सकारात्मक परिवर्तन आए हैं । इन अवधि में दोनों देशों के जिन दलों की सरकार सत्ता में रही हो लेकिन संबंध अधिकतर मधुर एवं सकारात्मक रहे हैं। जो यह दर्शाता है कि दोनों राष्ट्रों के लिए राजनीतिक, आर्थिक एवं सामरिक संबंध एवं साझेदारी अति महत्वपूर्ण है ।

Dilip

भारतीय प्रवासी दोनों देशों के संबंधों को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। भारतीय प्रवासी अमेरिका में राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्रों में बढ़चढ़कर भागीदारी कर रहे है।

**बाला,पूनम, डायस्पोरा, कल्चर एंड आईडेंटिटी: एशियन इंडियन इन अमेरिका, रावत पब्लिकेशन, जयपुर 2015।**

प्रवासन बाहरी दुनिया के साथ संपर्क और बातचीत के माध्यम से प्रवासियों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाता है। प्रवासी भारतीय उच्च स्तर की कुशल प्रवासी माने जाते हैं, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में नवाचार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देते रहे है। इन्हे शुद्ध राजकोषीय योगदान कर्ता की संज्ञा दी जा सकती है, क्योंकि अपनी उच्च आय के कारण यह पर्याप्त कर चुकाते हैं, और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से कम लाभ लेते हैं। प्रवासन प्रवासियों के सामाजिक जीवन को भी बेहतर बनाने में मदद करता है क्योंकि वे नई संस्कृतियों, रीति-रिवाजों और भाषाओं के बारे में सीखते हैं जो लोगों के बीच भाईचारे को बढ़ाने में मदद करते हैं एवं अधिक समानता व सहिष्णुता सुनिश्चित करते हैं।

**बैले, रायना, ग्लोबल इश्यूज: इमीग्रेशन एंड माइग्रेशन, इंफोबेस पब्लिकेशन, न्यूयॉर्क,2008।**

प्रवासी भारतीयों का राष्ट्रों के विदेश संबंधों और व्यवहारों पर प्रभाव बढ़ता जा रहा है । एक स्वतंत्र कारक के रूप में काम कर रहे हैं। वहां की राजनीति,अर्थनीति एवं विदेश नीतियों

Dilip

पर व्यापक प्रभाव डाल रहे हैं । भारतीय अमेरिकी लोग दबाव बनाकर और प्रचार-प्रसार करके अमेरिका सरकार के अधिकारियों को अधिक सहायक और संवेदनशील बनने के लिए राजी करवा रहे हैं। प्रवासी भारतीयों को सबसे जीवंत माना जाता है। यह स्थानीय समुदायों की अर्थव्यवस्थाओं में कई तरह से योगदान देता है और धन का प्रत्यावर्तन भी करता है।

## शोध क्षेत्र

प्रस्तुत शोध के शीर्षक से शोध का क्षेत्र स्पष्ट हो जाता है। इस शोध अध्ययन में 21वीं शताब्दी में भारत एवं अमेरिका के संबंधों को प्रभावित करने वाले कारकों में से एक प्रवासी भारतीयों की भूमिका का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया जाएगा । संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवासी भारतीयों का विकास कई चरणों में हुआ है ,जिसमें शिक्षा और रोजगार की खोज एवं धन प्रवाह के स्रोत प्रमुख चरण माने जाते है। प्रवासी भारतीय दोनों देशों के आर्थिक एवं सामरिक संबंधों के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अमेरिका में उद्योग -व्यापार जगत से लेकर वैज्ञानिक एवं डॉक्टर तक हर जगह प्रवासी भारतीयों की मौजूदगी है। मृदु शक्ति (सॉफ्ट पावर) एक ऐसी शक्ति है, यह सैनिक एवं आर्थिक शक्ति से भिन्न होती है, जो संस्कृति, विचार, ज्ञान आधारित कूटनीति, वैज्ञानिक एवं असैनिक कौशल के तत्वों के माध्यम से दोनों देशों के संबंधों को प्रभावित करते हैं। शोध क्षेत्र के अंतर्गत उन कारकों का भी अध्ययन किया जाएगा जो प्रवासी भारतीयों के समक्ष चुनौती बनी हुई है।

Dilip

## शोध का उद्देश्य

- दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित करने में प्रवासी भारतीयों की भूमिका का अध्ययन करना।
- अमेरिका में भारतीय प्रवासी के अतीत का अध्ययन करना।
- भारतीय प्रवासी की अमेरिका में अर्थनीति और राजनीति की भूमिका का अध्ययन करना।
- भारतीय प्रवासी की अमेरिका में सामाजिक - सांस्कृतिक स्वरूप का अध्ययन करना।
- अमेरिकी विदेशी नीति के निर्धारक तत्वों में प्रवासी भारतीयों की भूमिका का अध्ययन करना।

Dilip

## शोध प्रविधि

प्रस्तुत शोध विवरणात्मक एवं विश्लेषणात्मक प्रकृति पर आधारित होगा। तथ्वों का संकलन प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोत के माध्यम से किया जायेगा। प्रवासी भारतीय कारकों के आधार पर दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया जायेगा।

## शोध के अपेक्षित परिणाम

भारत और अमेरिका के संबंध प्रारंभ में उतार -चढाव के रहे हैं। लेकिन जिस रूप में अमेरिका में प्रवासी भारतीयों की भूमिका बढ़ती जा रही है । उससे अमेरिका को भारत के साथ चलने की आवश्यकता बढती जा रही है। क्योंकि प्रवासी भारतीय अमेरिका में सामाजिक रूप से समृद्ध समुदाय माने जाते हैं ।प्रवासी भारतीय अमेरिकी प्रशासन के शीर्ष पदो पर असीन होकर निर्णय -प्रक्रिया को काफी हद तक प्रभावित कर रहे हैं।

Dilip

## सन्दर्भ ग्रन्थ सूची


- धनुराज, डी. 'इंडिया यू.एस.ए. रिलेशंस: चेंज कंटिन्यूटी एंड ट्रांसफॉर्मेशन' सी.पी.पी.आई. पब्लिकेशन, कोच्चि, केरला, 2023।
- सिंह, उदय भान, 'अंतर्राष्ट्रीय संबंध- विभिन्न आयाम, मुद्दे और चुनौतियाँ', टाटा मैकग्रा हिल पब्लिकेशन,2022।
- सिंह,डॉ. शिशुपाल,'भारत अमेरिका संबंध बदलते आयाम',भारती प्रकाशन,वाराणसी,2021.।
- भाटिया, सुनील, अमेरिकन कर्मा: नस्ल, संस्कृति और पहचान भारतीय प्रवासी, न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी प्रेस, न्यूयॉर्क और लंदन, 2007।
- खन्ना एंड अरोड़ा, "भारतीय विदेश नीति", विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली,2005।
- जैन, पुष्पेश पंत, "21 वीं शताब्दी में अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध", मैकग्रा हिल एजुकेशन प्राइवेट इंडिया लिमिटेड, चेन्नई,2022।
- मुनि और चंदा: (2013) "आसन स्ट्रैटर्जिक रिव्यू" (श्रीवास्तव, एस.के. द्वारा पुस्तक अस रीबैलेंसिंग स्ट्रेटेजी टुवर्ड्स एशिया-पेसिफिक: अंडर-स्टैंडिंग रीज़न्स एंड इंप्लिकेशियोस में संपादित) नई दिल्ली: पेंटाग ऑन प्रेस, पीपी. ।
- दीक्षित , जे. एन., "भारत की विदेश नीति", प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, 2010।


Dilip

- जैन, बी.एम., "अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध", 2013।
- कोली ,सी .एम. , "अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध", साहित्यागार, जयपुर।
- वर्मा. डॉ. दीनानाथ, "अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध", ज्ञानदा प्रकाशन, पटना, 2004।
- जैन, पुष्पेश पंत , "भारतीय विदेश नीति", मीनाक्षी प्रकाशन ,मेरठ,2000।
- घई. यू. आर., "भारतीय विदेश नीति", न्यू एकेडेमिक पब्लिशिंग कंपनी, जालंधर,2003।
- मोडलास्की.जे. (1962): "ए थ्योरी ऑफ़ फॉरेन पॉलिसी", प्रिंसटन यूनिवर्सिटी: लंदन।
- फाडिया, बी.एल. "अंतरराष्ट्रीय संबंध", साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा,2010।
- बैले, रायना, ग्लोबल इश्यूज: इमीग्रेशन एंड माइग्रेशन, इंफोबेस पब्लिकेशन, न्यूयॉर्क,2008।
- सरकारी दस्तावेज़ और रिपोर्ट
- समाचार पत्र और जर्नल
- थीसिस और निबंध
- वेब स्रोत


Dilip

DrillBit

The Report is Generated by DrillBit Plagiarism Detection Software

***Submission Information***

| | |
|---|---|
| Author Name | Dilip Srivastava |
| Title | 21vi Shatabdi Mein Bharat –America Sambandhon ko Prabhavit Karne Wale Karkon Ka Adhyayan: Pravasi Bhartiyon Ke Vishesh Sandarbh Mein |
| Paper/Submission ID | 3613023 |
| Submitted by | santoshauprtou@gmail.com |
| Submission Date | 2025-05-14 15:49:10 |
| Total Pages, Total Words | 13, 2494 |
| Document type | Synopsis |

***Result Information***

Similarity **3 %**

Sources Type

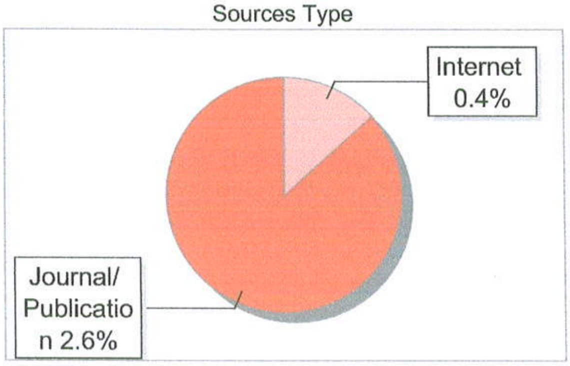


Report Content

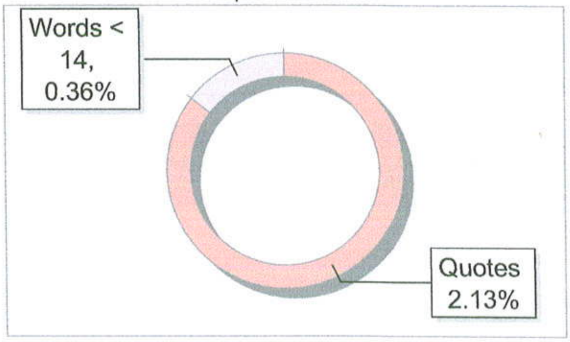


***Exclude Information***

| | |
|---|---|
| Quotes | Not Excluded |
| References/Bibliography | Not Excluded |
| Source: Excluded < 14 Words | Not Excluded |
| Excluded Source | **0 %** |
| Excluded Phrases | Not Excluded |

***Database Selection***

| | |
|---|---|
| Language | Non-English |
| Student Papers | Yes |
| Journals & publishers | Yes |
| Internet or Web | Yes |
| Institution Repository | Yes |

A Unique QR Code use to View/Download/Share Pdf File

Dilip

DrillBit

**DrillBit Similarity Report**

| 3 | 3 | A | A-Satisfactory (0-10%)<br>B-Upgrade (11-40%)<br>C-Poor (41-60%)<br>D-Unacceptable (61-100%) |
|---|---|---|---|
| SIMILARITY % | MATCHED SOURCES | GRADE | |

| LOCATION | MATCHED DOMAIN | % | SOURCE TYPE |
|---|---|---|---|
| 1 | 203.201.63.468080 | 1 | Publication |
| 2 | Thesis Submitted to Shodhganga Repository | 1 | Publication |
| 3 | translate.google.com | <1 | Internet Data |

Dilip